राजस्थानी आन्टी की चुदाई

दोस्तो आज मै आपको एक वास्तविक सैक्स स्टोरी सुनाने जा रहा हूँ। आज से लगभग एक साल पहले जव मै राजस्थान के अजमेर शहर में लगभग एक महीने के लिये अपने मामा के यहा गया हुआ था मेरे मामा आफिस के काम से एक महीने के लिये रूस चले गये थे तो उन्होने फोन से मुझे वहा वुलवा लिया की मामी अकेली रह जायेगी और उनके दो वच्चे है जो 6 और 10 वर्ष के है। मुझे मामा के यहा आये अभी दो दिन ही हुए थे कि मैने देखा कि मामा के यहा एक आन्टी जी वहुत आया करती थी जो कि पडोस में ही रहती थी उनके पति ने उन्हे तलाक दे दिया था वह एक नर्स थी और अजमेर मे ही एक हास्पीटल में कार्यरत थी। उनकी उम्र लगभग 36 वर्ष की होगी देखने गोरी लम्बी चौडी उभरे हुए वक्ष उनकी सुन्दरता को और भी वढा देते है देखने में एक दम ज्याला लगती थी। समझ में नही आता था कि इतनी सुन्दर औरत को कोई कैसे तलाक दे सकता है। मेरी उम्र लगभग लगभग 25 वर्ष और मुझे वैसे भी औरतो को चोदने में वहुत मजा आता है। उन्होने मुझे जव पहली वार देखा तो एक दम देखकर

नजरे झुका ली तभी मेरे मामी ने उन्हे मेरे वारे मे वताया उसके वाद तो हम दोनो का सिलसिला ऐसा शुरू हुआ कि हम दोनो एक दूसरे से वहुत घुल मिल गये थे। एक दिन मामी को रविवार के दिन वच्चों के पेरेन्टस मीटिंग में जाना था तो जाने से पहले वोली की राजू मे जा रही हूँ अगर तुम्हारा मन न लगे तो तुम पास ही आन्टी के घर चले जाना मुझे लौटने में देर हो सकती है क्योकि मुझे वहा से मार्केट भी जाना है। यह कहकर वह चली गयी मै वहुत देर तक इधर उधर टहलता रहा उसके वाद मेने घर का ताला लगाया और आन्टी के घर चला गया आन्टी घर पर अकेली वह लेटी हुई थी। घर का दरवाजा खुला हुआ था आन्टी डवल वेड पर लेटी हुई कुछ सोच रही थी अचानक मुझे देख कर चौक गई । उन्होने सूट पहना हुआ था उस दिन मैने देखा कि आन्टी के वूब्स काफी वडे थे उन्होने मुझे देखकर अपना डुपटटा अपने कधे पर डालती हुई वोली अरे राज तुम आओ अच्छा हुआ तुम आ गये मेरा मन नही लग रहा था तुमसे मन तव भी लग जायेगा। मैने कहा हा मै भी वोर हो रहा था मामी वाहर गई हुई है। अच्छा किया तुम यहा चले आये। अव हम दोनो खूव वाते करेगें। और मै भी उनके विस्तर पर लेट कर वाते करने लगा। मैने गौर

से देखा की आन्टी की आखें लाल हो रही थी ऐसा लग रहा था कि जैसे वह रो रही हो।

मैने पूछा किया हुआ आन्टी मुझे ऐसा लग रहा है कि शायद आप रो रही थी आन्टी वोली कुछ नही ऐसे ही पुरानी वाते याद आ गई। मैने कहा मुझे तो वता सकती हो मुझे अपने दोस्त ही मान लों आन्टी वोली राज तुम नही जानते मुझे अकेले रहने में कितनी परेशानियों का सामना करना पडता है। मेरा इस दुनिया में कोई नही है आखिर एक औरत को भी एक मर्द की जरूरत होती है। जो उसके अकेलेपन को दूर करदे मैने कहा आन्टी आप मुझ पर भरोसा कर सकती हो आज से मैने आपको अपना प्रिय दोस्त मान लिया है। क्या आप मुझे अपना दोस्त नही मान सकती आप अपना गम मुझे से दूर कर सकती हो आन्टी इतने सुनते ही मुझसे चिपक कर रोने लगी। उस दिन के वाद पता नही क्यों आन्टी ने मेरे दिल में जगह वना ली और मै वो भी मुझे पसन्द करने लगी। फिर तो मै उनके पास रोज जाने लगा और वह भी अपना सारा काम छोडकर मुझसे घण्टो वाते करने लगी। एक दिन जव मै उनके घर गया तो देखा कि वह कपडे वदल रही थी उन्होने पेटीकोट व्लाउज पहन रखा था और साडी पहनने जा रही थी ऐसा लगता

था जैसे वह कही जा रही हो जैसे ही उन्होने मुझे देखा तो वह रूक गई और वोली राज आओं वैठो मै थोडा मार्केट जा रही हूँ लेकिन जाने क्यो वह मुझे उस दिन वहुत सुन्दर दिख रही थी मैने कहा मै यही खडा सही हूँ। और मै कुछ देर उन्हे देखता रहा उन्हे इस तरह देखकर मेरी उत्तेजना वढ रही थी वो गोरा गोरा गदराया हुआ जिस्म उस पर वडे वडे वूब्स व्लाउज से वाहर निकले ही जा रहे थे। आन्टी वोली ऐसे क्या देख रहे हो मेरा ध्यान एक दम टूटा मैने कहा आन्टी मै सोच रहा हू कि आप इतनी सुन्दर हो कोई भी अपनी जान से ज्यादा आपको प्यार कर सकता है फिर भी आपको अंकल ने कैसे छोड दिया तभी आन्टी मेरे पास आई और में गले में अपने दोनो हाथों डालते हुए वोली क्या तुम मुझसे प्यार करते हो तो मै एक दम सोच मे पड गया मैने कहा आन्टी प्यार तो मेने आपसे पहली ही नजर में कर लिया था लेकिन सोच नही पा रहा था कि आपसे कैसे कहू यह सुनकर आन्टी ने अपने धहकते हुए होटो का रस पिलाना शुरू कर दिया और ऐसे एक दूसरे से ऐसे लिपट गये जैसे पता नही कब के मिले हो आधा घण्टा तक हम दोनो लोग एक दूसरे को होटो को चूसते रहे फिर मै अपने घर आ गया। दूसरे दिन आंटी मेरे मामी के पास आई और वोली कि कल रात को मुझे

ऐसा लगा कि कोई मेरे घर में घुस आया है। और मै डर गई पूरी रात नही सो पाई। मामी ने कहा कि तुम राज को अपने घर सुला लेना मै राज से कह दूंगी।

दूसरे दिन रात को करीव 8.00 वजे मामी ने कहा कि तुम आन्टी के यहा सो जाना उन्हे रात में डर लग रहा है। मैने कहा वहाने वनाने का नाटक करते हुए कहा कि मुझे वहा पर नीद नही आयेगी तो मामी वोली एक दो दिन की ही वात है। तुम वही सो जाना। रात को मै आन्टी के यहा गया तो आन्टी विस्तर पर लेटी हुई थी । मैने कहा कि आपने खूव अच्छा वहाना सोचा आन्टी वोली राज मै तुम्हारे प्यार में पागल हो चुकी है। तुम्हारे साथ पाने के लिये हर समय वैचेन रहती हूँ तुम तो जानते हो कि मै कव से अकेली रह रही हूँ आखिर मेरे भी इच्छा होती है कि मुझे एक आदमी का सानिध्य मिले। फिर क्या था मुझे क्लीन चिट मिल चुकी थी। मैने आन्टी के होठो पर अपने होठ रख दिये आन्टी वोली अभी नही पहले लाइट तो बन्द कर दो मैने कहा अव मुझसे क्या शरमाना मै भी आपको कब से विना कपडों के देखने के लिये वेताव हूँ। आन्टी ने कहा कि मुझे शर्म आयेगी मैने आन्टी से कहा कि आज रात ये मानलों कि मै तुम्हारा पति हूँ। फिर मैने उनके होठो को चूसना

शुरू कर दिया आन्टी बोली ऐसे शर्म नही जायेगी। जरा रूको मै अभी आती हूँ और कुछ देर वाद दो गिलास और एक वोतल वाइन की लेकर आयी उसके वाद हम दोनों ने 2–2 पैग वाइन के लियें। पैग लेने के कुछ देर वाद मैं आन्टी की चूत का रस पीने के लिये उतावला होने लगा। वस फिर क्या था। मैने सवसे पहले आन्टी की साडी उतारनी शुरू कर दी और उनका गोरा पेट और नोवल सामने थी मैने उस हाथ फिराते हुए उनके पेटीकोट का नारा खीच दिया आन्टी ने अपनी आखे बन्द कर ली और अपने हाथ से मेरे जांघ सहलाने लगी। वो मेरे लण्ड को पकडना चाहती थी मुझे औरत की चूत को चूसने में वहुत मजा आता है जव भी ऐसा पल आता है तो मै चूत के दाने को मुँह में लेकर जरूर चूसता हूँ। और चूत का रसपान करता हूँ । कुछ देर वाद मै आन्टी के पैरो की तरफ आया और उनके पेटी कोट को नीचे खीच कर हटा दिया आन्टी की क्या चूत थी विलकुल साफ एक भी वाल नही था। उसके वाद मैने आन्टी की दोनों जाघों एक दूसरे से अलग कर चौडा दिया उनकी जांघे काफी चोडी थी। किस करते हुए मै धीरे–धीरे ऊपर गया और उनकी चूत को चूमने लगा आन्टी सी–सी करने लगी। उसके वाद मैने उनकी टागों को उठाकर घुटनों के वल मोडकर (W) इस

तरह चौडा दिया उसके वाद उनकी चूत का दाने को जीभ से सहलाने लगा आन्टी पूरी मस्ती में आ गई सीससससससससससससससी कर रही थी साथ ही साथ अपने हाथ की उगली उनकी चूत में डाल कर अन्दर वाहर करने लगा आन्टी सिसकारने लगी तथा वह झडने ही वाली थी कि उन्होने मुझे रोक दिया लेकिन मेरा मन अभी भरा नही था तथा मैने ऊपर आकर उनके व्लाउज को खोल दिया तथा उनकी व्रा भी निकाल दी और फिर उनके वडे वडे वूव्स ने तो मेरे होश ही उडा दिये उनके निपल विलकुल तनी हुई थी मैने उनको मुह में लेकर काफी देर तक सहलाता रहा उसके वाद आन्टी ने झटका देकर लिटा दिया तथा मेरे होठो को चूसने लगी फिर उन्होने मेरे सारे कपडे उतार दिये और उसके वाद मेरे अण्डरवीयर में हाथ डालकर मेरा तना हुआ लण्ड निकाल लिया मेरा लोडे जैसा लण्ड देखकर वो पागल सी हो गई मेरे लण्ड को उतावले पन से चूसने लगी लण्ड के मुह में जाते ही जो गर्म गर्म अहसास हुआ ऐसा लगा जैसे मानों मेरा शरीर उडने लगा हो मिल गई हो उसके वाद मुझसे रहा नही गया। 69 के एगिल में आकर मेने फिर आन्टी की चूत को चसना शुरु कर दिया काफी देर तक यही सिलसिला चलता रहा इस वीच में एक वार झड चुका था लेकिन आन्टी सव कुछ अन्दर ही ले

गई उसके वाद मेरा लण्ड चूसते चूसते कुछ देर वाद वह फिर तन गया हम दोनों लोगों के शरीर पर एक भी कपडा नही था अन्त में आन्टी ने कहा राज मेरे ऊपर आ जा अव मै ज्यादा देर नही रह सकती मेरी चूत में अपना लण्ड डाल दों । मै आन्टी के ऊपर आ गया और चूत के मुह पर लण्ड का सुपाडा रखा और एक जोर दार झटका दिया कि लण्ड चूत के अन्दर उसके वाद हमारी झटकों की गति तेज होती गई। जोर से कहने लगी फाड दे इस साली चूत को इसने मुझे वहुत परेशान किया है। मै भी जोर जोर से झटके लगाने लगा। कुछ देर वाद आन्टी वोली राज अव मै तुम्हारे उपर आ जाती हूँ आन्टी मेरे उपर आ गयी फिर वो झटके लगाने लगी मै उनके हिव्स पर हाथ सहलाने गया क्योंकि वे काफी वडे थे मुझे काफी आनन्द दे रहे थे। आन्टी एक वार पहले ही झड चुकी थी।और अव वो दूसरी वार झडने वाली थी। कुछ देर झटके लगाने के वाद आन्टी झड गई और मेरे भी लण्ड ने फुव्वारा छोड दिया। उस रात मै अपना लण्ड आन्टी की चूत में ही डालकर सोया रहा जव भी मन करता हम लोग चुदाई करना शुरू कर देते थे। हम लोगों ने सुवह के 6 वजे तक 4 वार चुदाई की उसके वाद तो हम दोनो लोग रोजाना समय निकाल कर दिन में दो वार चुदाई कर ही लेते थे। आज

मै अपने घर पर हूँ लेकिन आन्टी से मेरी आज भी फोन पर वात होती है और हम दोनों लोग आज भी चुदाई करते है कभी मै उनके शहर अजमेर आ जाता हूँ। और कभी वो आगरा छुटटी लेकर आती है उन्हे आगरा के किसी होटल में रूम दिलवा देता हूँ और उनसे मिलता हूँ और चुदाई करता आन्टी एक महीने में लगभग 4–5 दिन के लिये आगरा आ ही जाती है और मै भी इसी तरह अजमेर जा कर चुदाई कर लेता हूँ आज तक किसी को हमारे वारे पता नही है। और न ही किसी को कोई शक है।

यदि कोई चाची/मामी या लडकी मुझसे चुदाई सम्बन्धी कोई सुविधा चाहती है तो प्लीज निसंकोच सम्पर्क कर सकती है। मेरा ईमेल है

pawan172@gmail.com

राज श्रीवास्तव

आगरा